राजस्थान में पर्यटन बोर्ड का गठन

चर्चा में क्यों?

राजस्थान सरकार आर्थिक विकास में पर्यटन उद्योग की भूमिका बढ़ाने हेतु **पर्यटन बोर्ड की स्थापना** के लिये कदम उठा रही है।

मुख्य बिंदु:

- **महामारी के बाद** पर्यटन क्षेत्र में पर्याप्त वृद्धि हुई है, जो राज्य के **सकल घरेलू उत्पाद (GDP)** में 14% का योगदान देता है।
- 1,200 से अधिक पर्यटन इकाइयाँ उद्योग की स्थिति के लाभों से लाभान्वित हो रही हैं।
    - आगामी पर्यटन मार्ट में **अंतर्राष्ट्रीय टूर ऑपरेटरों** को शामिल करने की योजना का उद्देश्य विदेशी पर्यटकों की आमद को बढ़ाना है।

भारत में पर्यटन से संबंधित पहल:

- **स्वदेश दर्शन योजना:** इसे सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक विरासत का लाभ उठाते हुए पूरे भारत में **थीम आधारित पर्यटन** सर्किट विकसित करने के लिये शुरू किया गया था।
    - **बौद्ध सर्किट, तटीय सर्किट, डेज़र्ट सर्किट और इको सर्किट जैसे** सर्किटों में बेहतर बुनियादी ढाँचे तथा पर्यटक अनुभव।
- **प्रसाद योजना:** तीर्थ स्थलों के विकास और सौंदर्यीकरण पर केंद्रित है।
- **हृदय (धरोहर शहर विकास और संवर्द्धन योजना):** इसका उद्देश्य विरासत शहरों को संरक्षित तथा पुनर्जीवित करना है।
- **पर्यटन पर्व:** सांस्कृतिक कार्यक्रमों और गतिविधियों को शामिल करते हुए घरेलू पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिये एक राष्ट्रव्यापी अभियान।
- **देखो अपनी देश पहल:** यह पहल भारत के विविध परिदृश्यों और सांस्कृतिक विरासत की खोज को बढ़ावा देकर घरेलू पर्यटन को प्रोत्साहित करती है।
- **एक भारत श्रेष्ठ भारत:** यह राज्य युग्मों के माध्यम से सांस्कृतिक एकीकरण को बढ़ावा देता है, आदान-प्रदान और सहयोग को प्रोत्साहित करता है तथा एकता व विविधता को बढ़ावा देता है, घरेलू पर्यटन एवं सांस्कृतिक प्रशंसा को बढ़ाता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rajasthan-to-form-tourism-board